7. What are the drawbacks of the Marxist response to Sartre's *L 'Être et le néant* according to Merleau-Ponty?

मर्लेउ-पोंटी के अनुसार सार्त्र के लेत्रे एट ले नेंट के प्रति मार्क्सवादी प्रतिक्रिया की कमियां क्या हैं?

8. '...discipline produces subjected and practiced bodies, "docile bodies".' (Foucault). Elaborate.

'...अनुशासन अधीन और अभ्यास किए गए शरीर, "विनम्र शरीर" का निर्माण करता है।' (फौकॉल्ट)। विस्तार में बताएं।

(60)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 5260 **G**

Unique Paper Code : 12101502

Name of the Paper : Continental Philosophy

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy CBCS-LOCF**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Ramanujan College Lib... Kalkaji, New Delhi-110019

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. How does Zahavi argue for the metaphysical neutrality of Husserl's phenomenological enterprise?

ज़हावी हसरल के घटनात्मक उद्यम की आध्यात्मिक तटस्थता के लिए कैसे तर्क देता है?

2. "We shall be questioning concerning technology, we should like to prepare a free relationship to it. The relationship will be free if it opens our human existence to the essence of technology." Elucidate this statement in the context of Questioning Technology.

"हम प्रौद्योगिकी के विषय में पूछताछ करेंगे, हमे इसे करने के लिए एक मुक्त संबंध तैयार करना चाहिए। संबंध मुक्त हो जाएगा अगर यह प्रौद्योगिकी के सार के लिए हमारे मानव अस्तित्व को खोलता है।" प्रौद्योगिकी पर सवाल उठाने के संदर्भ में इस बयान को स्पष्ट करें।

3. "The (conscious) Desire of a being is what constitutes that being as I and reveals it as such by moving it to say "I..." [Kojeve/Hegel]. Comment.

"किसी बीइंग की (जागरूक) इच्छा ही उस अस्तित्व को मैं बनाती है और इसे "मैं..." कहने के प्रेरित करके इसे इस रूप में प्रकट करती है (कोजेवे/हेगेल)। टिप्पणी करें।

4. "If the ethical is final, if it is the ultimate determination of life's meaning, then Abraham should really be ... exposed as the murderer he is." [Kierkegaard]. Elucidate.

"यदि नैतिकता अंतिम है, यदि यह जीवन के अर्थ का अंतिम निर्धारण है, तो अब्राहम को वास्तव में...उस हत्यारे के रूप में उजागर किया जाना चाहिए।" (कीर्केगाई)। स्पष्ट करें।

5. Examine Heidegger conception of truth as aletheia.

एलेथिया के रूप में सत्य की हेइडेगर की अवधारणा का परीक्षण करें।

6. Comment on the significance of shame to the apprehension of the Other.

दूसरे की पकड़ के लिए शर्म के महत्व पर टिप्पणी करें।